

SAFE आवास - वनिरिमाण विकास के लिये श्रमिक आवास सुवधि

प्रलमिस के लयि:

[नीतआयोग](#), [श्रम गतशीलता](#), [आर्थिक सर्वेक्षण](#), [नोमनिल GVA](#), [सेमीकंडक्टर](#), [वर्षिष आर्थिक कषेत्र](#), [फ़्लोर एरयिा रेशयिो](#), [नयूनतम मज़दूरी](#), [व्यवहार्यता अंतर वतितपोषण](#), [श्रमबल](#) ।

मेन्स के लयि:

वनिरिमाण कषेत्र में विकास को बढ़ावा देने हेतु श्रमिकों के लयि आवास सुवधिओं की आवश्यकता ।

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [नीतआयोग ने](#) **SAFE आवास - वनिरिमाण विकास के लयि श्रमिक आवास सुवधि** पर एक रपिर्ट जारी की, यह व्यापक रपिर्ट भारत के वनिरिमाण कषेत्र को बढ़ावा देने में औद्योगिक श्रमिकों के लयि **सुरक्षति, सस्ती, लचीली और कुशल (SAFE)** आवास की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालती है ।

- यह रपिर्ट प्रमुख चुनौतयिों की पहचान करती है, कार्यान्वयन योग्य समाधान प्रस्तुत करती है तथा देश भर में ऐसी आवास सुवधिओं को बढ़ाने के लयि **आवश्यक महत्त्वपूर्ण हस्तकषेपों पर प्रकाश डालती है** ।

नोट: SAFE आवास का मूल अर्थ है **सुरक्षति, सस्ते, लचीले और कुशल आवास** ।

SAFE आवास क्या है?

- **SAFE आवास:** **SAFE आवास** एक अवधारणा है जसिका उद्देश्य कर्मचारयिों को **उनके कार्यस्थल के नकिट**, आमतौर पर औद्योगिक या कारखाना स्थलों के नकिट **आवास सुवधि**एँ प्रदान करना है ।



- **सुवधियाँ:** इसमें दीर्घकालिक छात्रावास-शैली (Dormitory-Style) आवास शामिल है, जो सीधे श्रमकों या उनके नयिकताओं को करिए पर दिया जाता है।
 - इसमें जल, वदियुत, स्वच्छता सुवधियाँ और भोजन, वस्त्र धोने तथा औषधालय जैसी अन्य बुनयादी सेवाएँ शामिल हैं।
 - इसमें पारिवारिक आवास शामिल नहीं है।
- **उद्देश्य:**
 - वनरिमाण प्रतस्पर्द्धात्मकता को बढाने के लयि SAFE आवास के माध्यम से श्रम गतशीलता और उत्पादकता को सुवधाजनक बनाना।
 - नरिमाण और संचालन के लयि अनुकूलति वनियिमों के साथ श्रमकों के आवास को महत्त्वपूर्ण बुनयादी ढाँचे के रूप में नामति करना।
 - नजिी डेवलपर्स के लयि आकर्षक रटिर्न के साथ कफियाती आवास उपलब्ध कराने हेतु बाज़ार संचालति पारस्तिथितिकी तंत्र वकिसति करना।

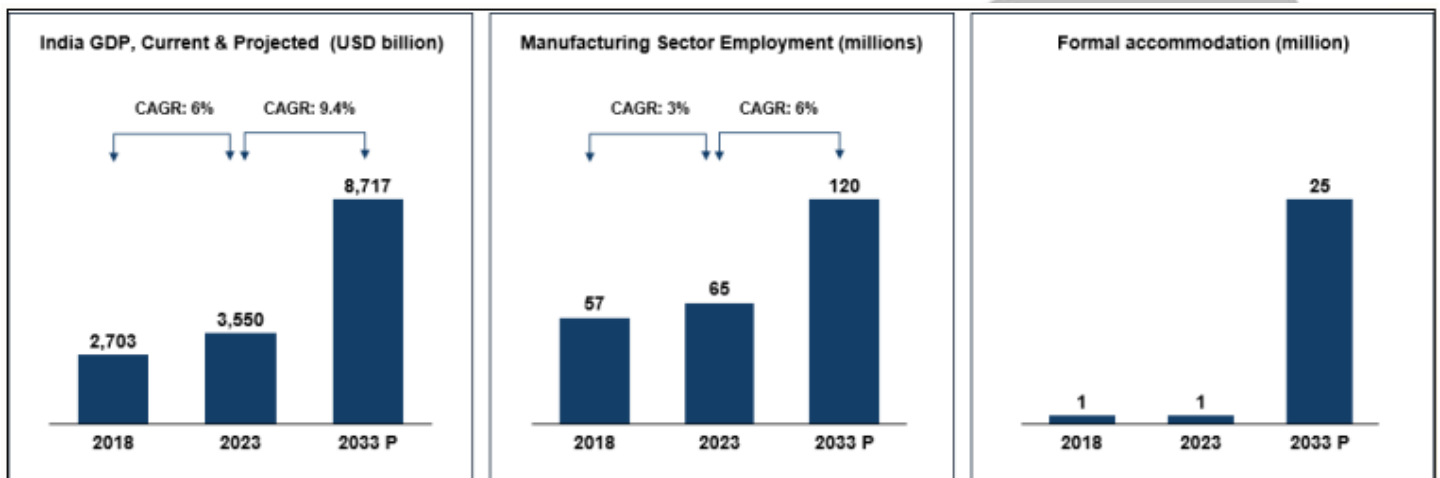
नोट: छात्रावास-शैली (Dormitory-Style) आवास कई कमरों वाला एक बड़ा स्थान होता है जहाँ लोग सोते हैं। इसका अर्थ लोगों के रहने के लयि कई बसितरों वाले कमरे से भी हो सकता है।

वनरिमाण वृद्धिमें कौन-से SAFE आवास सहायक हैं?

- **वनरिमाण वकिस:** आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार, आर्थिक वकिस को बनाए रखने के लयि भारत को वर्ष 2030 तक प्रत्येक वर्ष 7.85 मिलियन रोज़गार जोड़ने की आवश्यकता है।
 - कार्य स्थलों के नकिट औपचारिक आवास इस वसितार को समर्थन देने के लयि आवश्यक कार्यबल को आकर्षति और बनाए रख सकते

हैं।

- **महिला सशक्तीकरण:** चीन में महिलाएँ 61% श्रम भागीदारी दर के साथ **सकल घरेलू उत्पाद** में 41% का योगदान देती हैं, जो भारत के 18% सकल घरेलू उत्पाद योगदान और न्यूनतम भागीदारी से लगभग दोगुना है।
 - SAFE आवास कार्यक्रम **महिलाओं के लिये सुरक्षित आवास सुनिश्चित कर सकता है** तथा उनके लिये रोज़गार और अवसर उत्पन्न कर सकता है।
- **क्षेत्रीय परिवर्तन:** वनरिमाण क्षेत्र में 11% **कार्यबल** कार्यरत है और **मौद्रिक GVA** में इसका योगदान 14% है, जबकि कृषिक्षेत्र में 46% कार्यबल कार्यरत है लेकिन **GVA में इसका योगदान केवल 18% है**।
 - SAFE आवास की सुविधा से कृषि से उद्योग में **अधिशेष श्रमबल** को स्थानांतरित करने में मदद मिल सकती है।
 - भारत का लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद में वनरिमाण के योगदान को 25% तक करना है। हालाँकि वित्त वर्ष 2012 से यह 14 से 16% के बीच रहा है।
- **मेक इन इंडिया को समर्थन:** वशिष्ट औद्योगिक केंद्र उभर रहे हैं, जैसे कि तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में असेंबली और पैकेजिंग उद्योग, तमिलनाडु के होसुर में **इलेक्ट्रिक वाहन (EV) केंद्र** तथा गुजरात के धोलेरा में **सेमीकंडक्टर केंद्र**।
 - SAFE आवास व्यवस्था एक ही स्थान पर पर्याप्त कार्यबल को **सुरक्षित करने में मदद कर सकती है**, जिसमें प्रायः **प्रवासी श्रमिक** शामिल होंगे।
- **आवास की बढ़ती मांग:** भारत को **वकिसति भारत** के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु और अधिक रोज़गार सृजन के लिये प्रतिवर्ष 9.4% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धिदर (CAGR) से आर्थिक विकास की आवश्यकता है।
 - यह मानते हुए कि वर्ष 2033 तक, लगभग 20% कार्यबल **वहनीय औपचारिक आवासन को प्राथमिकता देगा** तो इस दृष्टि से वनरिमाण श्रमिकों के लिये **25 मिलियन आवास इकाइयों की आवश्यकता होगी**।



- **उत्पादकता और प्रतधारण में वृद्धि:** निकटस्थ और सुव्यवस्थित रूप से डिज़ाइन किये गए आवासों से **श्रमिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार** हो सकता है, कार्य में लगने वाला यात्रा समय कम हो सकता है तथा समग्र उत्पादकता में बढ़ोतरी हो सकती है।
 - इससे कर्मचारियों की छंटनी की दर और भर्ती लागत कम हो जाती है, जिससे कारखानों के लिये **एकस्थिति तथा कुशल कार्यबल सुनिश्चित होता है**।
- **वैश्विक निवेश आकर्षण करना:** बहुराष्ट्रीय निगम **श्रमिक कल्याण और दक्षता को प्राथमिकता देते हैं**, तथा इस दृष्टि से गुणवत्तापूर्ण आवास की सुविधा प्रदान कर भारत एक पसंदीदा वनरिमाण केंद्र बन सकता है।
 - यह वैश्विक श्रम मानकों के अनुरूप है जिनमें पर्याप्त और सुरक्षित श्रमिक आवास को प्राथमिकता दी गई है।

SAFE आवास के वैश्विक उदाहरण

- **चीन:** अधिकांश प्रवासी कारखाना श्रमिकों को नियोक्ताओं द्वारा नरिमति श्रमिक शयनगृह में आवास की सुविधा प्रदान की गई, जो प्रायः स्थानीय सरकारों द्वारा नशुल्क उपलब्ध कराई गई भूमि पर नरिमति थे।
 - चीन के **वशिष्ट आर्थिक क्षेत्रों** में कार्यरत तीस मिलियन असेंबली लाइन श्रमिकों में से लगभग 80% महिलाएँ हैं, जिनमें आंतरिक प्रांतों के ग्रामीण क्षेत्रों से नयोजित किया गया है।
 - यहाँ आवास प्रायः **रोज़गार करार** का हिस्सा होता है।
- **जापान:** प्रारंभिक जापानी औद्योगीकरण में दूरवर्ती ग्रामों से आई **महिला श्रमिकों** को शयनगृह में आवास की सुविधा प्रदान की जाती थी।
- **संगीपुर:** संगीपुर में प्रवासी आवास के लिये एक अलग अधिनियम है जिसे **वदेशी कर्मचारी शयनगृह अधिनियम, 2015** कहते हैं तथा श्रमिकों के शयनगृहों के लिये अलग भवन विनियम हैं।
- **वयितनाम:** वयितनाम ने शहरी क्षेत्रों में **निम्न और मध्यम आय वाले परिवारों** तथा औद्योगिक पार्कों में काम करने वाले श्रमिकों के लिये **10 लाख सामाजिक आवास इकाइयों** के निर्माण की योजना को स्वीकृति दी थी, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों से महिला श्रमिकों के नयोजन में सुविधा हो सके।

श्रमिक आवासन की सुविधा बढ़ाने में क्या चुनौतियाँ शामिल हैं?

- **प्रतिबंधात्मक क्षेत्रीकरण वधि:** औद्योगिक क्षेत्रों में आवासीय विकास पर प्रायः प्रतिबंध होता है, जब तक कि स्पष्ट रूप से अनुमति दी जाए, जिससे श्रमिकों को अपने कार्यस्थलों से दूर रहने के लिये विवश होना पड़ता है।
 - इससे यात्रा का समय और लागत बढ़ जाती है, जिससे उत्पादकता तथा प्रतिधारण प्रभावित होता है।
- **रूढ़िवादी भवन उपवधि:** निम्न **तल क्षेत्र अनुपात (FAR)** और अन्य अकुशल भूमि उपयोग नियम उपलब्ध भूमि पर उच्च क्षमता वाले आवास की संभावना को सीमित करते हैं।
- **उच्च परिचालन लागत:** औद्योगिक क्षेत्रों में आवासन को अक्सर **वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है**, जिसके कारण **संपत्तिकर और उपयोगिता दरें अधिक हो जाती हैं**।
 - लागतों में ये वृद्धि निजी क्षेत्र की भागीदारी को हतोत्साहित करती है।
- **वित्तीय व्यवहार्यता:** उच्च पूंजी लागत और कम रटर्न के कारण व्यापक स्तर पर श्रमिक आवास परियोजनाएँ नज्दी डेवलपर्स के लिये अनाकर्षक हो जाती हैं।
 - बुनियादी ढाँचा निवेशकों को **80 वर्ग फीट के लिये प्रतिश्रमिक 4,000 रुपए का लीज रेंट** चाहिये, जो **न्यूनतम मजदूरी** वाले श्रमिक के वेतन का **लगभग 30%** है, जिससे यह कई लोगों के लिये **वहनीय नहीं** है।
- **समन्वय:** समन्वय संबंधी चुनौतियाँ भी उत्पन्न होती हैं, क्योंकि औद्योगिक केंद्रों को सफल होने के लिये आवास, बुनियादी ढाँचे और उद्योगों में **समन्वित निवेश** की आवश्यकता होती है।

आगे की राह

- **नियामक अनुशासः**
 - **श्रमिक आवासों का पुनर्वर्गीकरण करना:** **SAFE** आवासों को एक **अलग आवासीय श्रेणी के रूप में नामित करना**, यह सुनिश्चित करना कि आवासीय संपत्तिकर, वदियुत और जल के शुल्क लागू हों, साथ ही आवासों के लिये **GST** छूट भी हो।
 - उदाहरण के लिये, लगातार **90 दिनों तक रहने पर प्रतिव्यक्ति 20,000 रुपए**।
 - **पर्यावरणीय मंजूरी:** पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा जारी मसौदा अधिसूचना में औद्योगिक **शेड, स्कूल, कॉलेज तथा छात्रावासों** के लिये प्रदान की गई छूट के अंतर्गत सुरक्षा आवास को शामिल करना।
 - **लैंगिक-समावेशी नीतियाँ:** श्रमिकों के लिये उपयुक्त आवास के विकास को प्रोत्साहित करना, उनकी विशिष्ट सुरक्षा और कल्याण आवश्यकताओं को संबोधित करना।
 - **सुनम्य क्षेत्रीय कानून:** औद्योगिक केंद्रों के निकट **मश्रति उपयोग** वाले विकास की अनुमति देने के लिये **क्षेत्रीय** विनियमों में संशोधन करना, कार्यस्थलों के निकट श्रमिकों के आवास की सुविधा प्रदान करना।
- **वित्तीय अनुशासः**
 - **व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (VGF):** **VGF** समर्थन के माध्यम से परियोजना लागत (भूमि को छोड़कर) का **30% -40%** तक प्रदान किया जाता है।
 - इसमें **आर्थिक मामलों के विभाग (DEA)** की ओर से **20%** और **प्रायोजक नोडल मंत्रालय की ओर से 10%** तथा राज्य सरकारों की ओर से अतिरिक्त योगदान शामिल है।
 - **प्रतिसिपर्द्धी बोली:** VGF समर्थन निर्धारित करने के लिये **पारदर्शी बोली प्रक्रियाओं** को लागू करना, दक्षता और लागत प्रभावशीलता सुनिश्चित करना।
 - **मौजूदा सुविधाओं का नवीनीकरण:** **ब्राउनफील्ड** श्रमिकों के आवासों को **उन्नत करने** के लिये VGF का लाभ उठाना, जिससे उनकी सुरक्षा, क्षमता और उपयोगिता में वृद्धि होगी।

□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□:

प्रश्न: भारत में महिलाओं की कार्यबल भागीदारी को बेहतर बनाने में **SAFE** आवास किस प्रकार योगदान दे सकता है? उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

□□□□□□□□□□

प्रश्न. भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा/से गैर-वित्तीय ऋण में सम्मिलित है? (2020)

1. परिवारों का बकाया गृह ऋण
2. क्रेडिट कार्डों पर बकाया राशि
3. राजकोष बिल (Treasury bills)

नीचे दिये गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1

- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

प्रश्न. बेहतर नगरीय भवषिय की दशा में कार्यरत संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र पर्यावास (UN-Habitat) की भूमिका के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2017)

1. संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा संयुक्त राष्ट्र पर्यावास को आज्ञापति किया गया है कविह सामाजिक एवं पर्यावरणीय दृष्टि से धारणीय ऐसे कस्बों और शहरों को संवर्द्धति करे जो सभी को पर्याप्त आश्रय प्रदान करते हों ।
2. इसके साझीदार सरिफ सरकारें या स्थानीय नगर प्राधिकरण ही हैं ।
3. संयुक्त राष्ट्र पर्यावास, सुरक्षति पेयजल व आधारभूत स्वच्छता तक पहुँच बढ़ाने और गरीबी कम करने के लयि संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था के समग्र उद्देश्य में योगदान करता है ।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) 1, 2 और 3
- (b) केवल 1 और 3
- (c) केवल 2 और 3
- (d) केवल 1

उत्तर: (b)

??????

प्रश्न 1. भारत में नगरीय जीवन की गुणता की संक्षपित पृष्ठभूमिके साथ, 'स्मार्ट नगर कार्यक्रम' के उद्देश्य और रणनीति बताइये । (2016)

प्रश्न 2. भारत में तीव्र शहरीकरण प्रक्रया ने जनि वभिन्न सामाजिक समस्याओं को जन्म दिया, उनकी वविचना कीजयि । (2013)